पीपुल्स समाचार 3/6/2019

परीक्षार्थी पर्याप्त नहीं होने पर बदला जा सकता है परीक्षा केंद्र

तय मानक पर कम से कम 50 से अधिक हो परीक्षार्थी

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9826428274

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी द्वारा सीईटी के लिए 27 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, लेकिन किसी परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त मानक स्तर पर परीक्षार्थी नहीं होंगे तो उस परीक्षा केंद्र को पास के ही अन्य परीक्षा केंद्र में शिफ्ट किया जाएगा। इस बात पर फिलहाल कोई फैसला नहीं हुआ है, लेकिन विचार किया जा रहा है। यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा अपने विभागीय कोर्स में एडमिशन देने की प्रक्रिया में सीईटी पहली प्रक्रिया है। इसके लिए यूनिवर्सिटी द्वारा फिलहाल रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया अपनाई गई है, जो आगामी 10 जून तक चलेगी।

कम परीक्षार्थियों के कारण केंद्र कैंसल

इस बार जो पुराने 6 शहरों को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया गया है, उसके पीछे वजह यह बताई गई है कि उन परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त परीक्षार्थी नहीं थे। इससे यूनिवर्सिटी को खासा आर्थिक नुकसान हुआ है, इसलिए इस बार इस बात पर विचार किया जा रहा है कि देश के जिन 27 शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, उन्हें भी अंतिम समय में बदलकर किसी नजदीकी परीक्षा केंद्र में समायोजित किया जा सकता है। बशर्ते उक्त परीक्षा केंद्र में पर्याप्त परीक्षार्थी न हो। इससे यूनिवर्सिटी को आर्थिक रूप से नुकसान में राहत मिलेगी। हालांकि इस मामले में अब तक कोई फैसला नहीं हो पाया है, लेकिन विचार किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जहां देश की ए ग्रेड यूनिवर्सिटी एडमिशन प्रक्रिया में एंट्रेंस प्रक्रिया लागू कर चुकी है, वहीं डीएवीवी ने भी अपनी साख को कायम रखते हुए सीईटी के सिस्टम को लागू किया है।

> परीक्षा केंद्रों के समायोजन पर विचार किया जा रहा है, साथ ही परीक्षार्थी की सहूलियत का भी ख्याल रखा जाएगा। जो बेहतर से बेहतर होगा, वह व्यवस्था लागू की जाएगी।
>
> -डॉ. चंदन गुप्ता, मीडिया को-ऑर्डिनेटर, डीएवीवी

टाईम्स ऑफ इंडिया 3/6/2019

School Of Economics Bids Adieu To Batch Of 2017-19

Devi Ahilya Vishwavidyalaya's (DAVV) School of Economics organized a farewell ceremony for the outgoing batch of 2017-19 with a lot of enthusiasm and zeal. The students were given their mark sheets in the presence of the vice-chancellor Dr N K Thakad who presided over the function.

COLLEGE CAMPUS BUZZ

The chief guest for the event was VN Vachuri. Head of the department Dr PN Mishra who was present at the occasion said, "The School of Economics has achieved this in a record time without any delay and we at the department are extremely happy and proud of our students."

नई दुनिया 3/6/2019

नई टेक्नोलॉजी से रूबरू कराने आज से लगेंगी समर क्लासेस

आईआईटी-एनआईटी की टॉप फैकल्टी डीएवीवी में शिक्षकों को आएंगी पढ़ाने

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

हायर एजुकेशन के स्तर को बेहतर करने के उद्देश्य से मानव संसाधन और विकास मंत्रालय ने नया प्रयोग किया है। अब शिक्षकों के लिए समर क्लासेस लगाई जाएंगी। इसमें जबलपुर के इंजीनियरिंग संस्थान को विश्वविद्यालय और कॉलेज के शिक्षकों को नई टेक्नोलॉजी से रूबरू कराने की जिम्मेदारी मिली है। जून में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में तीन टॉपिक्स पर समर क्लासेस लगेंगी। शुरुआत 3 जून को 'एडवांसमेंट इन सिग्नल एंड प्रोसेस' प्रोग्राम से हो रही है। यहां आईआईटी-एनआईटी संस्थानों की टॉप फैकल्टी लेक्चर देंगी।

जबलपुर की आईआईटी संस्थान की ई एंड आईसीटी एकेडमी ने नई टेक्नोलॉजी को लेकर पांच-पांच दिन के कोर्स डिजाइन किए हैं। डीएवीवी सेंटर में इसकी जिम्मेदारी डॉ. माया इंगले को दी है। समर क्लासेस में 20 सीटें रखी हैं। रजिस्ट्रेशन फीस एक हजार रुपए है। 3 से 7 जून के बीच 'एडवांसमेंट इन सिग्नल एंड प्रोसेस', 17 से 22 जून तक 'इंट्रोडक्शन टू प्रोग्रामिंग पेडाजोजिकल अप्रोच', 24 से 28 जून तक 'रोबॉटिक्स' के बारे में पढ़ाया जाएगा। संबंधित विषयों पर लेक्चर देने के लिए आईआईटी आईआईटी-एनआईटी संस्थान की टॉप फैकल्टी डीएवीवी में आएगी। रिमोट सेंटर को-ऑर्डिनेटर डॉ. इंगले ने बताया कि इंजीनियरिंग के कोर्स में निरंतर बदलाव हो रहा है। टेक्नोलॉजी के नए टॉपिक को सिलेबस में जोड़ा गया है, जिससे बच्चों को पढ़ाने से पहले शिक्षकों को समझने की जरूरत है। इस उद्देश्य से पांच दिनों की क्लासेस शुरू की गई है।

तीन क्रेडिट पॉइंट जुड़ेंगे

पांच-पांच दिन के सर्टिफिकेट कोर्स का फायदा शिक्षकों को मिलेगा। प्रत्येक दिन आठ घंटे की क्लासेस होगी। 40 घंटे के इस कोर्स में शिक्षकों को तीन क्रेडिट पॉइंट दिए जाएंगे, जो उनकी एकेडमी एक्टिविटी में जोड़े जाएंगे, जिससे इन्हें प्रमोशन में आसानी होगी।